शुगर प्रॉडक्शन घटने से सक्रिय हुए सटोरिए

प्राइस पिछले हफ्ते के ₹32 किलो से घटकर ₹31 किलो पर आ गया

[जयश्री भोसले | पुणे]

चीनी की कीमतें बढ़ने और अगले साल गन्ने की फसल कमजोर रहने के अनुमान के बीच स्टॉकिस्ट या सटोरिए सक्रिय हो गए हैं। इंडस्ट्री के अधिकारियों ने कहा कि चीनी के भाव में तेजी आएगी, ऐसे में सटोरिए चीनी का स्टॉक बना रहे हैं।

बॉम्बे शुगर मर्चेंट्स एसोसिएशन के प्रेसिडेंट अशोक जैन ने कहा, 'बाजार में तेजी बनी रहेगी और S-30 ग्रेड की चीनी की कीमतें अप्रैल में 32 रुपये प्रति किलोग्राम को पार कर जाएगी।'

घरेलू मार्केट में एनसीडीईएक्स शुगर फ्यूचर्स के मई कॉन्ट्रैक्ट में मंगलवार को भी तेजी आई। यह 3,430 रुपये प्रति क्विंटल से ऊपर ट्रेड कर रहा है। फिजिकल मार्केट और एक्सपोर्ट मार्केट मजबूत होने से चीनी की कीमतों को सपोर्ट मिलेगा।

फिजिकल मार्केट के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में मजूबती, डिमांड बेहतर होने और रुपये की कमजोरी से चीनी की कीमतों में तेजी आ रही है

रिसर्च नोट
जियोफिन कॉमट्रेड

जियोफिन कॉमट्रेड ने अपने एक रिसर्च नोट में लिखा है, 'फिजिकल मार्केट के साथ-साथ इंटरनेशनल मार्केट में मजूबती, डिमांड बेहतर होने और रुपये की कमजोरी से चीनी की कीमतों में तेजी आ रही है।'

हालांकि, फिजिकल ट्रेड में में चीनी की कीमतें पिछले हफ्ते 32 रुपये प्रति किलोग्राम थी जो डिमांड घटने के कारण 31 रुपये प्रति किलोग्राम पर आ गई है। हालांकि, ट्रेडर्स और सटोरिए चीनी की कीमतों को लेकर बुलिश हैं। हालांकि, मिल मालिकों को अभी यह भरोसा नहीं है कि यह तेजी आगे भी बरकरार रहेगी या नहीं।

महाराष्ट्र स्टेट को-ऑपरेटिंग शुगर फैक्टरीज फेडरेशन के मैनेजिंग डायरेक्टर संजीव बाबर ने कहा, '2016-17 के लिए हमारे पास अभी पर्याप्त स्टॉक है। हालांकि, सूखे की वजह से अगले सीजन में महाराष्ट्र में शुगर प्रॉडक्शन कम होगा। हालांकि, इस गिरावट की पूर्ति दूसरे राज्यों के प्रॉडक्शन से हो सकती है।'